भारत में युवा 2022 रिपोर्ट

संदर्भ

हाल ही में, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रिपोर्ट जारी की गयी है।

प्रमुख बिंदु

- 1991 में युवाओं (15-29 वर्ष) का अनुपात 26.6% था।
- 2021-2036 के दौरान, युवा आबादी का हिस्सा कम होने जा रहा है जबकि बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ने वाली है।
- केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में 2036 तक युवाओं की तुलना में बुजुर्गों की संख्या अधिक हो सकती है।
- बिहार, यूपी, महाराष्ट्र और एमपी में देश के 52% युवा आबादी हो सकती हैं।
- 15 वर्ष से कम आयु की जनसंख्या में भी गिरावट का अनुमान है।

भारत में युवा 2022 रिपोर्ट

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में कुल जनसंख्या में युवाओं का प्रतिशत		
	2021	2031	2036
बिहार	28.8	27.7	25.5
हिमाचल प्रदेश	25.1	21.4	19.5
केरल	22.1	20	19.2
मध्य प्रदेश	27.7	25.3	24.7
महाराष्ट्र	26.1	22.5	21
राजस्थान	28.7	25.8	24.6
तमिलनाडु	23.2	20.4	19.1
उत्तरप्रदेश	29.9	26.3	25.1
भारत	27.2	24.1	22.7

लेज़र एडवांसमेंट ऑफ़ नेक्स्ट -जनरेशन कॉम्पैक्ट एनवायरनमेंट (LANCE) सिस्टम

संदर्भ

लॉकहीड मार्टिन ने परिचालन परीक्षण के लिए अमेरिकी वायु सेना को एक LANCE प्रणाली प्रदान की है।

मुख्य बिंदु

- इसे अगली पीढ़ी के कॉम्पैक्ट वातावरण (लांस) के लेजर एडवांसमेंट के रूप में जाना जाता है।
- यह एक कॉम्पैक्ट निर्देशित ऊर्जा हथियार है।
- इसे एक महत्वपूर्ण विकास माना जा रहा है क्योंकि ऊर्जा हथियार के आकार को एक पॉड के आकार में घटा दिया गया है जिसे एक लड़ाकू विमान पर रखा जा सकता है।
- इससे लड़ाकू विमान आने वाली मिसाइल को मार गिरा सकता है.

अन्य देशों के प्रयास

- अमेरिका के अलावा, कई अन्य देशों में मजबूत लेजर ऊर्जा हथियार विकास कार्यक्रम हैं। इसमें चीन, रूस, इजरायल, जर्मनी, फ्रांस और भारत शामिल हैं।
- इजरायल ने हाल ही में जमीन से एक ड्रोन को मार गिराने के लिए अपने लेजर हथियार का परीक्षण किया।
- रूस ने दावा किया था कि उसने हाल ही में यूक्रेन में एक लेजर हथियार - ज़ादिरा - का परीक्षण किया था।
- भारत भी एक निर्देशित ऊर्जा हथियार विकसित कर रहा है जिसका नाम दुर्गा II है, जो डायरेक्टेड अप्रतिबंधित रे-गन ऐरे के लिए है।
- इसे 100 किलोवाट क्षमता का हल्का ऊर्जा वाला हथियार बताया गया है।

मारबर्ग वायरस रोग

संदर्भ

हाल ही में, घाना ने मारबर्ग वायरस रोग के अपने पहले संदिग्ध मामलों की सूचना दी है।

मारबर्ग वायरस रोग के बारे में

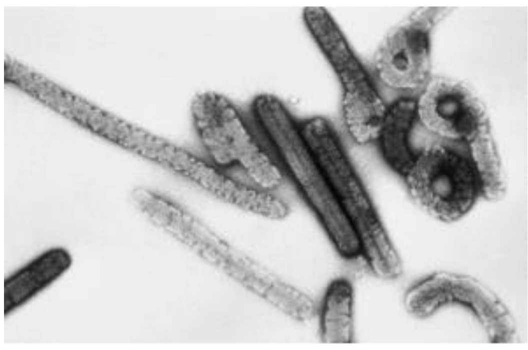

- इस रोग की पहचान सबसे पहले 1967 में जर्मनी के मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट और सर्बिया के बेलग्रेड में दो बड़े प्रकोपों के बाद की गई थी।
- यह एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रक्तस्रावी बुखार है जिसका मृत्यु अनुपात 88 प्रतिशत तक है।
- यह इबोला के समान परिवार से संबंधित है।
- मारबर्ग वायरस रोग के लिए ऊष्मायन अवधि 2 से 21 दिनों तक भिन्न होती है।

लक्षण

- मारबर्ग वायरस के कारण होने वाली बीमारी अचानक शुरू हो जाती है, तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, गंभीर अस्वस्थता, पानी से भरा दस्त, पेट में दर्द और ऐंठन, मतली और उल्टी।
- मांसपेशियों में तनाव और दर्द इसकी आम विशेषता है।

संचरण

- टेरोपोडिडे परिवार के फल चमगादड़ इस रोग के प्रमुख वाहक हैं।
- यह आम तौर पर रौसेटस बैट कॉलोनियों में रहने वाली खदानों या गुफाओं के लंबे समय तक संपर्क में रहने के बाद मनुष्यों को संक्रमित करता है।
- मानव-से-मानव संचरण संक्रमित लोगों के रक्त, स्राव, अंगों या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।

इलाज

रोग के उपचार के लिए कोई विशिष्ट टीके या एंटीवायरल उपचार नहीं हैं।

वैश्विक लिंग अंतर सूचकांक

संदर्भ

हाल ही में, विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा 2022 के लिए ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स जारी किया गया था।

प्रमुख बिंदु

INDIA'S REPORT CARD

Index/sub-index	2022 (146 countries) Rank	Score	2021 (156 countries) Rank	Score
Global Gender Gap Index	135	0.629	140	0.625
Political empowerment	48	0.267	51	0.276
Economic participation & opportunity	143	0.350	151	0.326
Educational attainment	107	0.961	114	0.962
Health and survival	146	0.937	155	0.937

Source: World Economic Forum

- किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की।
- शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं ने अपने लिंग अंतर के कम से कम 80% को कम कर दिया, जिसमें आइसलैंड (90.8%) वैश्विक रैंकिंग में अग्रणी है।
- आइसलैंड एकमात्र ऐसी अर्थव्यवस्था थी जिसने अपने लिंग अंतर के 90% से अधिक को कम कर दिया था।
- अन्य स्कैंडिनेवियाई देश जैसे फिनलैंड (86%, दूसरा), नॉर्वे (84.5%, तीसरा) और स्वीडन (82.2%, 5वां) शीर्ष पांच में हैं।
- यह न्यूजीलैंड को चौथे (84.1%) स्थान पर रखता है

भारत से संबंधित निष्कर्ष

- भारत 146 देशों में 135वें स्थान पर है।
- भारत अपने पड़ोसियों में भी काफी पीछे है और बांग्लादेश (71), नेपाल (96), श्रीलंका (110), मालदीव (117) और भूटान (126) से पीछे है। केवल ईरान (143), पाकिस्तान (145) और अफगानिस्तान (146) दक्षिण एशिया में भारत से खराब प्रदर्शन करते हैं।
- 2021 में, भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- 2022 में, भारत का समग्र स्कोर 0.625 (2021 में) से सुधरकर 0.629 हो गया है।

ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स के बारे में

- यह WEF द्वारा जारी किया गया है।
- इसे 2006 में लॉन्च किया गया था।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

• ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स चार प्रमुख आयामों में लिंग समानता की वर्तमान स्थिति और विकास को बेंचमार्क करता है:
आर्थिक भागीदारी और अवसर,
शैक्षिक प्राप्ति,
स्वास्थ्य और उत्तरजीविता
राजनीतिक अधिकारिता।
• यह सबसे लंबे समय तक चलने वाला सूचकांक है, जो 2006 में अपनी स्थापना के बाद से समय के साथ इन अंतरालों को बंद करने की दिशा में प्रगति को ट्रैक करता है।
• चार उप-सूचकांकों में से प्रत्येक पर और साथ ही समग्र सूचकांक पर जीजीजी सूचकांक 0 और 1 के बीच स्कोर प्रदान करता है।
1 पूर्ण लैंगिक समानता दर्शाता है और 0 पूर्ण असमानता दर्शाता है।

बायोमास से हरा हाइड्रोजन

संदर्भ
हाल ही में, भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc.) के शोधकर्ताओं की एक टीम ने बायोमास, एक अक्षय ऊर्जा स्रोत से हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए एक नवीन तकनीक विकसित की है।

प्रमुख बिंदु
• इस परियोजना को नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित किया गया था।
• प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा रोडमैप के साथ भी मेल खाती है,
• यह भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य ईंधन के रूप में हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करना है।

क्रियाविधि
• बायोमास को पहले ऑक्सीजन और भाप का उपयोग करके एक नए रिएक्टर में सिनगैस में परिवर्तित किया जाता है।
• सिनगैस एक हाइड्रोजन युक्त ईंधन गैस मिश्रण है।
• दूसरे चरण में, स्वदेशी रूप से विकसित निम्न दाब गैस पृथक्करण इकाई का उपयोग करके सिनगैस से शुद्ध हाइड्रोजन उत्पन्न होता है।

फ़ायदे
• यह प्रक्रिया हरित हाइड्रोजन उत्पन्न करने की एक अत्यधिक कुशल विधि है।
• यह प्रक्रिया पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि:
• यह कार्बन ऋणात्मक है।
• कार्बन-आधारित उपोत्पाद ठोस कार्बन हैं, जो कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है, और कार्बन डाइऑक्साइड, जिसका उपयोग अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों में किया जा सकता है,

महत्व
• भारत विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए लगभग 50 लाख टन हाइड्रोजन का उपयोग करता है।
• आने वाले वर्षों में हाइड्रोजन बाजार में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है।
• वर्तमान में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले अधिकांश हाइड्रोजन जीवाश्म ईंधन से भाप मीथेन सुधार मार्ग नामक एक प्रक्रिया के माध्यम से आता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

डार्क मैटर

सन्दर्भ
हाल ही में, यू.एस. में साउथ डकोटा में लक्स-जेपलिन (एलजेड) नामक एक डार्क मैटर डिटेक्टर प्रयोग चर्चा में था।
यह दुनिया का सबसे संवेदनशील डार्क मैटर डिटेक्टर है।

डार्क मैटर
• कई भौतिक विज्ञानी दृढ़ता से मानते हैं कि ब्रह्मांड का संपूर्ण दृश्य भाग इसमें मौजूद सभी पदार्थों का केवल 5% है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

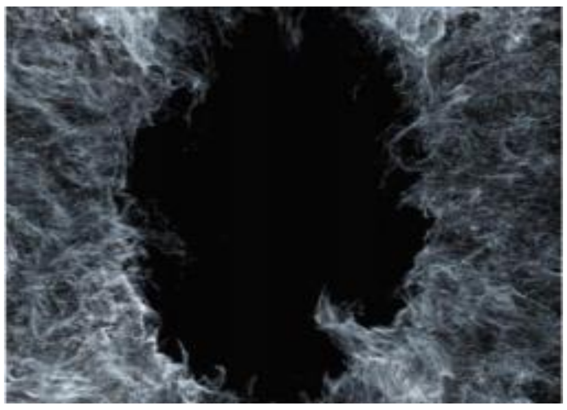

- उनका मानना है कि बाकी सब डार्क मैटर और डार्क एनर्जी से बना है।
- ब्रह्मांड में सभी अंत:क्रियाएं कणों पर कार्य करने वाली चार मूलभूत शक्तियों का परिणाम हैं:

मजबूत परमाणु बल।
कमजोर परमाणु बल।
विद्युतचुंबकीय बल
गुरुत्वाकर्षण।

- डार्क मैटर उन कणों से बना होता है जिन पर कोई चार्ज नहीं होता है - जिसका अर्थ है कि वे इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरैक्शन के माध्यम से इंटरैक्ट नहीं करते हैं।
- ये ऐसे कण हैं जो "डार्क" हैं, अर्थात् वे प्रकाश का उत्सर्जन नहीं करते हैं, जो एक विद्युत चुम्बकीय घटना है, और "पदार्थ" क्योंकि उनके पास सामान्य पदार्थ की तरह द्रव्यमान होता है और इसलिए गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से परस्परक्रिया करते हैं।
- गुरुत्वाकर्षण बल, कण भौतिकविदों द्वारा पूरी तरह से एकीकृत और समझ में न आने के अलावा, बेहद कमजोर है।
- एक कण जो कमजोर परस्परक्रिया करता है उसका पता लगाना अष्पष्ट होता है।

I2U2

सन्दर्भ

भारत के प्रधान मंत्री पहली बार I2U2 वर्चुअल समिट में भाग लेंगे।

I2U2 के बारे में

- I2U2 भारत, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के लिए है।
- भारत में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत अहमद अल्बन्ना ने इसे 'वेस्ट एशियन क्वाड' भी कहा।

उत्पत्ति:

I2U2 को शुरू में अक्टूबर 2021 में इज़राइल और यूएई के बीच अब्राहम समझौते के बाद बनाया गया था, ताकि क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और परिवहन से संबंधित मुद्दों से निपटा जा सके।
उस समय इसे 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग मंच' कहा जाता था।

लक्ष्य:

आपसी हित के सामान्य क्षेत्रों पर चर्चा करना।
संबंधित क्षेत्रों और उसके बाहर व्यापार और निवेश में आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना।

ISARC

संदर्भ

कृषि और किसान कल्याण विभाग और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) ने IRRI दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की चरण -2 गतिविधियों की शुरुआत पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

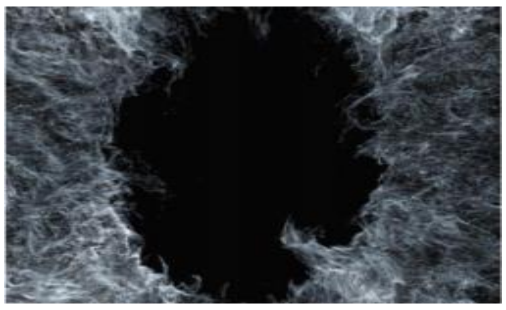

- ISARC की स्थापना 2017 में वाराणसी में राष्ट्रीय बीज अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (NSRTC) के परिसर में की गई थी।
- यह फिलीपींस के बाहर दुनिया भर में IRRI का पहला और सबसे बड़ा अनुसंधान केंद्र है।
- पहले चरण में महत्वपूर्ण विकासों में से एक, निम्न और एक मध्यवर्ती ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) चावल की किस्में आईआरआरआई 147 (जीआई 55) और आईआरआरआई 162 (जीआई 57) का विकास रहा है। वे भारत में मधुमेह के बढ़ते मामलों को कम करने में मदद करेंगे।

नियर इंफ्रारेड लाइट

सन्दर्भ

चीन के सिचुआन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पॉलीयुरेथेन से बना मछली के आकार का रोबोट विकसित किया है, जो उथले पानी में माइक्रोप्लास्टिक खा सकता है।

प्रमुख बिंदु

- काली रोबोट मछली (1.3 सेमी आकार) निकट अवरक्त प्रकाश की दिशा में चलती है।
- इन्फ्रारेड प्रकाश विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम के दृश्य और माइक्रोवेव भागों के बीच स्थित है।
- निकट अवरक्त प्रकाश तरंगदैर्ध्य में दृश्य प्रकाश के सबसे निकट होता है और दूर अवरक्त विद्युतचुंबकीय स्पेक्ट्रम के माइक्रोवेव क्षेत्र के करीब होता है।
- इसे एलईडी या लेजर द्वारा तैयार किया जा सकता है।

सभी पीएसबी रिपोर्ट का निजीकरण

सन्दर्भ

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीईएआर) के महानिदेशक और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक सदस्य द्वारा पीएसबी के निजीकरण पर एक रिपोर्ट तैयार की गई है।

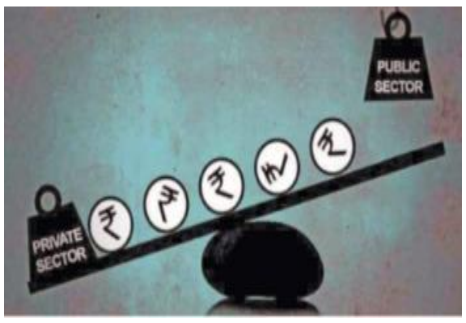

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- केंद्र को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को छोड़कर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का निजीकरण करना चाहिए।
- सरकार को दो मजबूत बैंकों के साथ निजीकरण की कवायद शुरू करनी चाहिए जिनमें संपत्ति और इक्विटी पर सबसे अधिक रिटर्न और पिछले पांच वर्षों में सबसे कम एनपीए हो।

मार्क-टू-मार्केट लॉस

सन्दर्भ

बॉन्ड यील्ड बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र को वित्त वर्ष 2013 की पहली तिमाही में 10,000-13,000 करोड़ रुपये का मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) नुकसान होने की संभावना है।

प्रमुख बिंदु

- मार्क-टू-मार्केट लॉस एक अकाउंटिंग एंट्री है।
- यह तब होता है जब बैंकों द्वारा धारित सरकारी प्रतिभूतियों का वर्तमान बाजार मूल्य पर मूल्यांकन किया जाता है।
- अगर एक निश्चित कीमत पर एक प्रतिभूति खरीदी गई थी और बाजार मूल्य बाद में गिर गया, तो धारक को एक अचेतन नुकसान होगा।
- प्रतिभूति को नए बाजार मूल्य पर अंकित करने से एमटीएम हानि होगी।

CERVAVAC

सन्दर्भ

ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) को CERVAVAC वैक्सीन के लिए मार्केट ऑथराइजेशन दिया है।

प्रमुख बिंदु

- यह देश का पहला चतुर्भुज मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) टीका है।
- हालांकि टीके निजी बाजार में उपलब्ध थे, लेकिन नया टीका उपचार को सुलभ और वहनीय बना देगा।

• एचपीवी एक आम वायरस है जो सेक्स के दौरान फैलता है। कुछ प्रकार के एचपीवी के साथ लंबे समय तक चलने वाला संक्रमण महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है।
• भारत में सभी प्रकार के कैंसरों में 9.4% सर्वाइकल कैंसर है।
• यदि नियमित स्त्री रोग संबंधी जांच की जाती है तो यह काफी हद तक रोके जाने योग्य और उपचार योग्य होने के बावजूद भारत में महिलाओं का दूसरा सबसे आम कैंसर है।
• डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कैंसर को समाप्त किया जा सकता है यदि टीका विश्व स्तर पर सभी लड़कियों को यौवनारम्भ से पहले दिया जा सकता है।
• WHO ने 2030 के लिए सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन रणनीति लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

इसके अनुसार,
• 90% लड़कियों को 15 वर्ष की आयु तक पूर्ण टीकाकरण करवाना चाहिए।
• 70% महिलाओं को 35 साल तक और फिर 45 साल तक उच्च प्रदर्शन परीक्षण के साथ जांच की जानी चाहिए।

आषाढ़ पूर्णिमा

सन्दर्भ
प्रधानमंत्री ने आषाढ़ पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर भगवान बुद्ध की महान शिक्षाओं को याद किया, जिनका उत्सव उत्तर प्रदेश के सारनाथ में मूलगंधा कुटी विहार में आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु
• आषाढ़ पूर्णिमा, जिसे गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है, बुद्ध पूर्णिमा या वैशाख पूर्णिमा के बाद बौद्धों के लिए दूसरा सबसे पवित्र दिन है।
• बोधिवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त करने के पांच सप्ताह बाद, बुद्ध बोधगया से सारनाथ, उत्तर प्रदेश गए।
• वहां, उन्होंने पहले पांच तपस्वी शिष्यों (पंचवर्गिका) को अपना पहला उपदेश, धम्मकक्कप्पवत्तन सुत्त या 'धम्म का पहिया घुमाना' दिया। उपदेश में चार आर्य सत्यों में व्यक्त उनकी शिक्षा के मूलभूत सिद्धांत शामिल हैं।
• यह महाभारत के लेखक महर्षि वेद व्यास की जयंती भी है। इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।
• मूलगंध कुटी विहार में बुद्ध के पवित्र अवशेष हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare